समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 25 August 2026

पुणे मे मौसम का बदला मिजाज : तेज बारिश और ओलावृष्टि से गर्मी से राहत, IMD ने जारी किया अलर्ट

Sanket Morankar Published on 31 Mar 2026

पुणे और पिंपरी-चिंचवड शहर में सोमवार को मौसम ने अचानक करवट लेते हुए नागरिकों को चौंका दिया। सुबह तक जहां तेज धूप और उमस से लोग परेशान थे, वहीं दोपहर होते-होते आसमान में घने बादल छा गए और अचानक तेज बारिश ने दस्तक दे दी। इस अवकाळी बारिश के साथ कई इलाकों में ओलावृष्टि भी हुई, जिससे वातावरण में ठंडक आ गई और लोगों को गर्मी से बड़ी राहत मिली।

शहर के हिंजवड़ी इलाके में तो ओलों की इतनी अधिक बारिश हुई कि सड़कों और इमारतों के आसपास का नजारा किसी पहाड़ी क्षेत्र जैसा दिखने लगा। कई लोगों ने इस दृश्य की तुलना कश्मीर से की। अचानक आए इस मौसम बदलाव के कारण सड़कों पर चल रहे वाहन चालकों और पैदल यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

पुणे शहर के बाणेर, शिवाजीनगर, पुणे स्टेशन, हडपसर और लोणी काळभोर जैसे प्रमुख क्षेत्रों में भी तेज बारिश दर्ज की गई। बाणेर इलाके में बारिश इतनी तेज थी कि कुछ निचले क्षेत्रों में पानी भर गया, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। वहीं, पिंपरी-चिंचवड में करीब आधे घंटे तक तेज बारिश जारी रही, जिससे ऑफिस जाने वाले लोगों और राहगीरों को भारी परेशानी उठानी पड़ी।

हालांकि इस बारिश ने जहां एक ओर लोगों को गर्मी से राहत दी, वहीं दूसरी ओर किसानों के लिए चिंता का कारण बन गई है। महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में इस अवकाळी बारिश के चलते फसलों को भारी नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। विशेष रूप से आम, प्याज, सब्जियों और फलों की फसलों पर इसका प्रतिकूल असर पड़ सकता है। वाशिम जिले में कई जगहों पर फसलों को नुकसान की शुरुआती खबरें सामने आई हैं, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है।

भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने इस अचानक बदले मौसम को लेकर चेतावनी जारी की है। विभाग के अनुसार, अगले 4 से 5 दिनों तक महाराष्ट्र के कई हिस्सों में इसी तरह का मौसम बना रह सकता है। खासतौर पर खानदेश, मराठवाड़ा, पश्चिम विदर्भ और

मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ बारिश और गरज-चमक की संभावना जताई गई है। हवा की रफ्तार 30 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है, जो कई जगहों पर नुकसानदेह साबित हो सकती है।

मौसम विभाग ने यह भी संकेत दिए हैं कि 1 अप्रैल से बारिश की तीव्रता और बढ़ सकती है। इसके साथ ही कुछ इलाकों में ओलावृष्टि होने की भी संभावना है। ऐसे में प्रशासन ने नागरिकों और किसानों को सतर्क रहने की सलाह दी है। खासतौर पर किसानों से अपील की गई है कि वे अपनी फसल और कटाई के लिए तैयार उत्पादों को सुरक्षित स्थान पर रखें ताकि नुकसान से बचा जा सके।

इसके अलावा, नागरिकों को भी सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। बिजली चमकने के दौरान खुले मैदान में खड़े न रहें और पेड़ों के नीचे शरण लेने से बचें। अचानक मौसम खराब होने की स्थिति में सुरक्षित स्थान पर रहने की सलाह दी गई है।

मौसम में इस बदलाव का असर केवल पुणे तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे राज्य में इसका असर देखने को मिल रहा है। जहां एक ओर शहरों में लोग इस ठंडक का आनंद ले रहे हैं, वहीं ग्रामीण इलाकों में किसानों के सामने नई चुनौती खड़ी हो गई है।

विशेषज्ञों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण इस तरह के अनियमित मौसम की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। मार्च के महीने में इस प्रकार की बारिश और ओलावृष्टि सामान्य नहीं मानी जाती, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में ऐसी घटनाएं लगातार बढ़ी हैं।

कुल मिलाकर, पुणे में हुई इस अचानक बारिश ने जहां गर्मी से राहत दी है, वहीं आने वाले दिनों के लिए सतर्क रहने की आवश्यकता भी बढ़ा दी है। मौसम विभाग की चेतावनी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन और नागरिकों को पूरी तैयारी के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है, ताकि किसी भी संभावित नुकसान को कम किया जा सके।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.